संपादक का नोट

मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों। मुझे विश्वास है कि आप और आपके परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित और स्वस्थ हैं। हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की छाया के नीचे रहना जारी रखें क्योंकि हम लॉकडाउन की लहरों के माध्यम से समुद्र की तटीय लहरें पर चलाव कर रहे हैं!

यशायाह 60: 2 ''देख, पृथ्वी पर तो अन्धियारा और राज्य राज्य के लोगों पर घोर अन्धकार छाया हुआ है; परन्तु तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रगट होगा।''

जब हम आत्मिक रूप से जागृत होंगे और केवल शारीरिक रूप से नहीं, हम स्वयं से धूल झाड़ते रहेंगे और हम हमेशा एक ऐसा बर्तन बनने की इच्छा रखेंगे जो स्वच्छ हो और केवल प्रभु के लिए चमकता हो। परमेश्वर का वचन कहता है कि भले ही पृथ्वी पर अंधेरा छाया हो, लेकिन हमारे प्रभु का तेज हम पर प्रगट होगा। इस अद्भुत वादे के लिए प्रभु की स्तुति करो, जो वर्तमान परिदृश्य में कितना सच है!

भजन संहिता 34: 10 ''जवान सिंहों को तो घटी होती और वे भूखे भी रह जाते हैं, परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होगी।'' कितना अद्भुत वादा है! हमारे प्रभु परमेश्वर हमें कभी परेशानी, दुःख और दर्द नहीं देंगे; लेकिन समस्या यह है कि हमें इसका एहसास नहीं है क्योंकि हम उनके तरीकों को नहीं समझते हैं। बाइबल में हम सारपत विधवा के बारे में जानते हैं, जिसे परमेश्वर एक उद्देश्य के साथ एलिय्याह को भेजते है, उसे आशीष देने के लिए, लेकिन वह यह नहीं जानती थी।

भुखमरी से मरने से पहले वह अपने घर में अंतिम आटे और तेल के एक मुट्ठी भोजन के बाद अपने बेटे के साथ अपना अंतिम भोजन करने की योजना बना रही थी। फिर भी, दुःख और दर्द के उस क्षण में, उसने एलिय्याह को यह आखिरी भोजन दिया। अत्यधिक अकाल के समय में इस विश्वास को देखते हुए, एलिय्याह ने उसके घर को इतनी भरपूरि से आशीष दिया कि परमेश्वर का वचन कहता है कि उसके घर में आटा और तेल कभी समाप्त नहीं हुआ, हालांकि संपूर्ण भूमि में पूर्ण अकाल था। यह उसके लिए प्रभु का आशीष था, जिसे वह नहीं समझती थी, लेकिन उसके विश्वास के कार्य ने उसे यह प्राप्त करवाया ! आज हमारे प्रभु परमेश्वर भी हम में से प्रत्येक को एक ही आशीष देना चाहते हैं; लेकिन यह हमारे ऊपर है कि हम अत्यधिक दुःख के समय में कितना विश्वास रखते हैं – अगर हमें उसी के अनुसार धन्य होना है तो !

हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमें केवल अपने परमेश्वर की ही महिमा करनी चाहिए। कुलुस्सियों 3: 24–25 ''24 क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इस के बदले प्रभु से मीरास मिलेगी; तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो। 25 क्योंकि जो बुरा करता है वह अपनी बुराई का फल पाएगा, वहाँ किसी का पक्षपात नहीं।''

जब हम यहोवा के लिए और उनके राज्य के लिए खुशी–खुशी कोई काम करते हैं, तो हम ढेर सारी आशीषों से भरी फसल काटेंगे। उसी समय, जब हम प्रभु के खिलाफ बुराई और कुकर्मी चीजे करते हैं और बड़बड़ाते रहते हैं, हम अपने जीवन में बहुत सारे दुःख और दर्द को काटेंगे। हमें उन झुण्ड की तरह नहीं होना चाहिए जो यीशु मसीह के चारों ओर केवल लाभ के लिए घूमते हैं, बल्कि उस महिला की तरह होना चाहिए जिसे लहू बहने का रोग था, जो प्रभु के लिए प्यासी थी और केवल यीशु मसीह को छूने और उनके शक्ति का अनुभव करना चाहती थी। हमें प्रभु के लिए प्यासा होना चाहिए, हमें जोश और उत्साह के साथ उनकी सेवा करनी चाहिए और हम अपने कामों के अनुसार धन्य होंगे।

आज, यदि आपके खुद के ऊपर धूल है, तो उसे झाड़े; ताकि प्रभु के द्वारा आप अनुग्रह के द्वार में प्रवेश कर सकें जो हमारे प्रभु यीशु ने हमारे लिए खोला हैं, निर्दोषिता से। लूत के परिवार की तरह मत बनो जो सिर्फ बहाने दे रहे थे क्योंकि उनका दिल दुनिया की बेकार चीजों के लिए तरस रहा था – बल्कि इच्छुक रहें और प्रभु के राज्य के लिए खोज में रहें। एक बार फिर से प्रभु हमें उनके वचन के माध्यम से सावधान करते हैं, ''जाग...जाग, और अपने जीवन को प्रभु के लिए जीते रहो और इस दुनिया में बड़े पैमाने पर बोते रहो, ताकि हम उनके स्वर्गीय राज्य में भरपूर आशीष प्राप्त करें।''

जब तक हम फिर से मिलें तब तक। मसीह में आपकी बहन!

पास्टर सरोजा म।

परमेश्वर की आज्ञा का पालन करो– वह हमारे लिए सबसे अच्छा जानता है।

भजन संहिता 110 : 3 ''तेरी प्रजा के लोग तेरे पराक्रम के दिन स्वेच्छाबलि बनते हैं; तेरे जवान लोग पवित्रता से शोभायमान, और भोर के गर्भ से जन्मी हुई ओस के समान तेरे पास हैं।'' वह अधिकार क्या है जो हमारे प्रभु हमें देते हैं, वह हमें ऐसा अधिकार देते है जो हम पूर्ण धार्मिकता में शासन करते हैं। प्रभु का प्यार और हमारे लिए उनकी इच्छा, यही है, की हम इस धरती पर पवित्रता में शासन करें। क्योंकि हमारा परमेश्वर हमें राजा मानते है। प्रकाशितवाक्य 1: 6 कहता है ''और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।'' हमारे प्रभु ने हमें प्यार किया है, हमें उनके अनमोल लहू से धोया है और हमें परमेश्वर पिता के आगे राजा और याजक बनाया है। इस प्रकार, जब प्रभु ने हमें इतना महान जीवन दिया है, तो हमारे जीवन में परेशानी, दुःख और पीड़ा क्यों है? यीशु को हमारे लिए इस धरती में भेजा गया था, वह इस धरती पर हमारे लिए रहे, हमारे लिए मरे और हमें अपना लहू दिया, उनके बहुमूल्य लहू से हमें धोया और हमें राजा और याजक बनाया। हमें अपने जीवन को कभी भी इस तरह से बिगड़ने देना नहीं चाहिए। उदाहरण के तौर पे, एक कार्यालय में, एक बॉस होता है जो अपने कर्मचारियों के ऊपर अधिकार जताता है। वह ऐसा तब से करता है, जब उसे वैसे ही करने का अधिकार दिया गया है। इसी तरह, यहां तक कि हमारे प्रभु ने भी हमें इस धरती पर अधिकार दिया है, इस प्रकार हमें इसका उपयोग करना चाहिए और इसे खोना नहीं चाहिए। हम अपना अधिकार कब खोते हैं? जब पाप हमारे जीवन में फिर से प्रवेश करता है। हमारे प्रभु ने हमें अपने बहुमूल्य लहू से धोया और हमें पवित्र किया, उन्होंने इस धरती पर अपना काम किया है। अब, इसका समय आ गया है जो हमें उस अधिकार का उपयोग करना है जो प्रभु ने हमें दिया है। इस प्रकार, हमें अपने जीवन में पाप आने नहीं देना चाहिए, ताकि हमारा जीवन बुरे से बर्बाद हो जाए। प्रभु ने अपने बच्चों को वह अधिकार दिया है, जो प्रभु के लहू से धोये गए है ताकि शैतान को खत्म किया जाए, आइए हम पढ़ें मरकुस 16: 17–18 ''17 विश्वास करनेवालों में ये चिह्न होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, 18 साँपों को उठा लेंगे, और यदि वे प्राणनाशक वस्तु भी पी जाएँ तौभी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे।'' उनके लहू से धोए गए लोग नई भाषा बोलेंगे, दुष्टात्माओं को निकालेंगे, वे अपने पैरों के नीचे सांपों को रौंद सकते हैं और यहां तक कि अगर वे जहर का सेवन करते हैं तो वे मरेंगे नहीं। यदि वे पहाड़ों को देखे और पहाड़ को हिलने के लिए कहते हैं, तो पहाड़ों का स्थान अपनी जगह से हटा दिया जाएगा। चलो पढ़ते हैं मत्ती 21: 21 ''यीशु ने उनको उत्तर दिया, "मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम विश्वास रखो और संदेह न करो, तो न केवल यह करोगे जो इस अंजीर के पेड़ से किया गया है, परन्तु यदि इस पहाड़ से भी

कहोगे, 'उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़', तो यह हो जाएगा।'' यह वह अधिकार है जो परमेश्वर ने अपने बच्चों को दिया है जो उनके बहुमूल्य लहू से धोए जाते हैं। यीशु मसीह, स्वर्ग के राजा, स्वर्ग को छोड़ कर हमारी खातिर पृथ्वी पर आए। हम एक बार क्रोध के बच्चे थे, लेकिन जब प्रभु ने हमें अपने बहुमूल्य लहू से धोया, तो उन्होंने हमें अपने बच्चों के रूप में अधिकार दिया। इस प्रकार, हमें इस अधिकार का उपयोग करने की आवश्यकता है जो प्रभु ने हमें दिया है। लेकिन, अगर हम एक बार फिर से पाप करते हैं, तो हम अपनी पवित्रता और धार्मिकता खो देंगे और यह अधिकार भी जो प्रभु ने हमें इस धरती पर दिया है।

1 कुरिन्थियों 15: 25 कहता है ''क्योंकि जब तक वह अपने बैरियों को अपने पाँवों तले न ले आए, तब तक उसका राज्य करना अवश्य है।'' अंत में, हमारे प्रभु ने कलवारी के क्रूस पर शत्रु को हरा दिया था, इस प्रकार हमें शत्रु पर जीत मिली। हमारी लड़ाई इस दुनिया के लोगों के साथ नहीं है, बल्कि शत्रु की शक्तियों के साथ है। आइए पढ़ते हैं इफिसियों 6: 12 ''क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध लहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।'' इस प्रकार क्रूस पर यीशु की मृत्यु के साथ, हमें शत्रु को हराने की शक्तियाँ प्राप्त हुई हैं। इस धरती पर जो लड़ाई हम लड़ते हैं, वह लड़ाई मांस से नहीं होती, बल्कि शत्रु की शक्तियाँ लगातार प्रभु के बच्चों के साथ लड़ती हैं। इस प्रकार प्रभु ने हमें अपने बहुमूल्य लहू से धोया और हमें पूरी लड़ाई के लिए योग्य बनाया। इस प्रकार हमें अपने पापों द्वारा इस अधिकार को कभी भी खोना नहीं चाहिए। भजन संहिता 91:13 कहता है ''तू सिंह और नाग को कुचलेगा, तू जवान सिंह और अजगर को लताड़ेगा।'' प्रभु ने हमें उनके बच्चों के रूप में इतना बड़ा अधिकार दिया है। नबी यशायाह ने कहा; यशायाह 8:18 ''देख, मैं और जो लड़के यहोवा ने मुझे सौंपे हैं, उसी सेनाओं के यहोवा की ओर से जो सिय्योन पर्वत पर निवास किए रहता है इस्राएलियों के लिये चिह्न और चमत्कार हैं।'' प्रभु की इच्छा है कि इस धरती पर परिवार बनते हैं, और शत्रु परिवारों को तोड़ने की इच्छा करता रहता है। आएं हमें अय्यूब के जीवन को देखें, हम जानते हैं कि वह किस तरह अपने परिवार की देखभाल और प्यार करता था, हर दिन वह परमेश्वर के सामने बलिदान करता था , उन पापों के लिए जो उनके बच्चों ने किए थे। आइए हम पढ़ें अय्यूब 1:5 ''जब जब भोज के दिन पूरे हो जाते, तब तब अय्यूब उन्हें बुलवाकर पवित्र करता, और बड़े भोर को उठकर उनकी गिनती के अनुसार होमबलि चढ़ाता था; क्योंकि अय्यूब सोचता था, "कदाचित् मेरे लड़कों ने पाप करके परमेश्वर को छोड़ दिया हो।" इसी रीति अय्यूब सदैव किया करता था।'' अय्यूब ने परमेश्वर से भय माना और इस प्रकार उसने अपने परिवार द्वारा किए गए पापों के लिए परमेश्वर को बलिदान चढ़ाया। इस प्रकार, अपने जीवन के अंत में भी, अय्यूब ने साहसपूर्वक कहा '' नंगा आया और मैं नंगा जाऊंगा'', प्रभु ने दिया और प्रभु ने लिया, प्रभु की स्तुति करो''। अय्यूब 1 : 21 – 22 ''21 ''मैं अपनी माँ के पेट से नंगा निकला और वहीं नंगा लौट जाऊँगाय यहोवा ने दिया और यहोवा ही ने लियाय यहोवा का नाम धन्य है।'' 22 इन सब बातों में भी अय्यूब ने न तो पाप किया, और न परमेश्वर पर मूर्खता से दोष लगाया।'' आइए नूह के जीवन को देखें, वह प्रभु के सामने धर्मी पाया गया, इस प्रकार प्रभु ने नूह को एक जहाज बनाने के लिए चुना जब प्रभु ने इस पृथ्वी को नष्ट करने का फैसला किया। अंत में, हम जानते हैं कि प्रभु ने सुरक्षित रूप से अरारत पर्वत पर जहाज को उतारा और नूह और उसके परिवार को बचाया, जबकि पूरी पृथ्वी नष्ट हो गई थी। नूह एक धर्मी इंसान था, इस तरह प्रभु ने उसे और उसके परिवार को बचा लिया। हम यहोशू के जीवन को भी जानते हैं, उसने आत्मविश्वास से कहा ''मैं और मेरा पूरा परिवार प्रभु की आराधना करेगा''। आज भी हमारे जीवन में, अगर

हर परिवार का मुखिया कहता है कि यह दुनिया कितनी शानदार होगी। आइए पढ़ते हैं प्रेरितों के काम 16: 31 ''उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।'' यदि हमारे पास ऐसा विश्वास है, तो कल्पना करें कि हमारा जीवन कितना धन्य होगा। परमेश्वर ने हमें अपने अनमोल लहू से धोया है और हमें इस धरती पर राजा और याजक बनाया है, ऐसे में हमारा विश्वास कैसा होना चाहिए? यहोशू के विश्वास की तरह, जो अपने पूरे परिवार की ओर से खड़ा था और कहा ''मैं और मेरा परिवार जीवित प्रभु की आराधना करेंगे''। यहोशू 24 : 15 कहता है ''और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किस की सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा ही की सेवा नित करूँगा।'' यहोशू के पास अपने पूरे परिवार का अधिकार था कि वह प्रगट करे ''मेरे लिए और मेरे घर के लिए, हम प्रभु की सेवा करेंगे''।

बाइबिल में, कुरनेलियुस नामक एक व्यक्ति की कहानी है, वह एक सज्जन था लेकिन फिर भी उसने अपना पूरा विश्वास और भरोसा प्रभु में रखा था। वह उन सभी में धर्मी था, जो उसने किए। आइए हम पढ़ें प्रेरितों के काम 10: 2 ''वह भक्त था, और अपने सारे घराने समेत परमेश्वर से डरता था, और यहूदी लोगों को बहुत दान देता, और बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करता था।'' हालाँकि वह एक सज्जन व्यक्ति था, लेकिन वह और उसका परिवार प्रभु से डरते थे और प्रशंसा करते थे और प्रभु की आराधना करते थे। हमारे जीवन में भी, यदि प्रत्येक परिवार का मुखिया अपने परिवार के साथ स्वयं के अधिकारों का प्रयोग करता है, तो हम ने क्या पढ़ा था प्रेरितों के काम 16: 31 ''उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।'' वह हमारे जीवन में भी स्थापित होगा। हमारा विश्वास भी ऐसा ही होना चाहिए और हमें अपने परिवार के साथ यह आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। जैसे एक कार्यालय में एक बॉस अपने अधीनस्थों के साथ अपने अधिकार का उपयोग करता है, वैसे ही हमें उस अधिकार का उपयोग करना चाहिए जो प्रभु ने हमें इस धरती पर दिए है। हमारे प्रभु ने हमें अपने अनमोल लहू से धोया है, हमें उनका परिवार बनाया है और हमें इस धरती पर उनके बच्चे होने का अधिकार दिया है। इस प्रकार हमें अपने अधिकार का उपयोग करना चाहिए और प्रभु में अपने विश्वास का प्रयोग करना चाहिए। शास्त्र में एक बहादुर और बलवान व्यक्ति की दुखद कहानी है, जिसे प्रभु ने अपने जन्म से पहले ही चुना था और उसे शत्रु को हराने का अधिकार दिया गया था, प्रभु ने उसे इस धरती के अधिकारी से लड़ने के लिए बलवान बनाया था। लेकिन जब पाप उसके जीवन में प्रवेश कर गया, तो वह पलिश्तियों के सामने एक जोकर की तरह प्रकट हो गया। इससे पहले कि पाप उसके जीवन में प्रवेश करता, वह एक बहादुर और बलवान व्यक्ति था, जिसे प्रभु प्यार करता था और इस तरह उसने जीवन में बहुत बड़े काम किए थे। लेकिन जब वह प्रभु परमेश्वर के खिलाफ गया और प्रभु की इच्छा के खिलाफ गलत काम किया और पाप किया और खुद को अपवित्र बना लिया। उसने स्वयं को प्रभु की कृपा के अयोग्य बना लिया। इस प्रकार, अंत में उसको जंजीरों से बाँधा गया और जोकर के रूप में उन्हीं दुश्मनों द्वारा परेड कराया गया, जिनके खिलाफ उसने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और जीवन में कई जीत हासिल कीं थी। अब पलिश्तियों ने आनन्दित होकर अपने देवताओं की पूजा की, और अपने ईश्वर को शिमशोन को पकड़ने के लिए धन्यवाद दिया। यहाँ हम स्पष्ट रूप से देखते हैं कि यह पाप था जो शिमशोन के गिरने का कारन बना। आइए हम पढ़े न्यायियों 14: 6 ''तब यहोवा का आत्मा उस पर बल से उतरा, और यद्यपि उसके हाथ में कुछ न था, तौभी उसने उसको ऐसा फाड़ डाला जैसा कोई बकरी का

बच्चा फाड़े। अपना यह काम उसने अपने पिता या माता को न बतलाया।'' न्यायियों 15: 3– 5 ''3 शिमशोन ने उन लोगों से कहा, "अब चाहे मैं पलिश्तियों की हानि भी करूँ, तौभी उनके विषय में निर्दोष ही ठहरूँगा।" 4 तब शिमशोन ने जाकर तीन सौ लोमड़ियाँ पकड़ीं, और मशाल लेकर दो दो लोमड़ियों की पूँछ एक साथ बाँधी, और उनके बीच एक एक मशाल बाँधी। 5 तब मशालों में आग लगाकर उस ने लोमड़ियों को पलिश्तियों के खड़े खेतों में छोड़ दिया; और पूलों के ढेर वरन् खड़े खेत और जैतून की बारियाँ भी जल गईं।'' वचन 14 –19 ''14 वह लही तक आ गया तो पलिश्ती उसको देखकर ललकारने लगे; तब यहोवा का आत्मा उस पर बल से उतरा, और उसकी बाँहों की रस्सियाँ आग में जले हुए सन के समान हो गईं, और उसके हाथों के बंधन मानों गलकर टूट पड़े। 15 तब उसको गदहे के जबड़े की एक नई हड्डी मिली, और उसने हाथ बढ़ाकर उसे ले लिया और उससे एक हजार पुरुषों को मार डाला। 16 तब शिमशोन ने कहा, ''गदहे के जबड़े की हड्डी से ढेर के ढेर लग गए, गदहे के जबड़े की हड्डी ही से मैं ने हजार पुरुषों को मार डाला।'' 17 जब वह ऐसा कह चुका, तब उसने जबड़े की हड्डी फेंक दी; और उस स्थान का नाम रामतलही रखा गया। 18 तब उसको बड़ी प्यास लगी, और उसने यहोवा को पुकार के कहा, ''तू ने अपने दास से यह बड़ा छुटकारा कराया है; फिर क्या मैं अब प्यासों मरके उन खतनाहीन लोगों के हाथ में पड़ूँ?'' 19 तब परमेश्वर ने लही में ओखली सा गढ़हा कर दिया, और उसमें से पानी निकलने लगा; जब शिमशोन ने पीया, तब उसके जी में जी आया, और वह फिर ताजा दम हो गया। इस कारण उस सोते का नाम एनहक्कोरे रखा गया, वह आज के दिन तक लही में है।'' न्यायियों 16: 23 – 25 ''23 तब पलिश्तियों के सरदार अपने दागोन नामक देवता के लिये बड़ा बलिदान चढ़ाने और आनन्द करने को यह कहकर इकट्ठे हुए, ''हमारे देवता ने हमारे शत्रु शिमशोन को हमारे हाथ में कर दिया है।'' 24 और जब लोगों ने उसे देखा, तब यह कहकर अपने देवता की बड़ाई की, ''हमारे देवता ने हमारे शत्रु, और हमारे देश का नाश करनेवाले को, जिस ने हम में से बहुतों को मार भी डाला, हमारे हाथ में कर दिया है।'' 25 जब उनका मन मगन हो गया, तब उन्हों ने कहा, ''शिमशोन को बुलवा लो कि वह हमारे लिये तमाशा करे।'' इसलिये शिमशोन बन्दीगृह में से बुलवाया गया, और उनके लिये तमाशा करने लगा, और खम्भों के बीच खड़ा कर दिया गया।'' वचन 1 ''तब शिमशोन गाजा को गया, और वहाँ एक वेश्या को देखकर उसके पास गया।'' हमारे जीवन की तुलना शिमशोन के जीवन से भी की जा सकती है, प्रभु ने हमें अपने अनमोल लहू से धोया, हमें उनका परिवार बनाया। जैसे की राजा और याजक इस दुनिया में ताकत और अधिकार दिए। शिमशोन का पाप क्या था, आइए हम पढ़ें न्यायियों 16:1 ''तब शिमशोन गाजा को गया, और वहाँ एक वेश्या को देखकर उसके पास गया।'' इस पाप के साथ उस ने खुद को अधर्मी और अपवित्र बना लिया और इस तरह प्रभु ने उसे दिया हुआ सारा अधिकार को खो दिया और वह अतः एक जोकर बन गए। इसी तरह, जब हम भी पाप करते हैं तो शत्रु हमें प्रभु के सामने नंगा कर देता है और हम भी प्रभु के लिए एक जोकर बन जाते हैं। कल्पना कीजिए कि हमारे प्रभु परमेश्वर कितने दुखी होंगे? यीशु ने क्रूस पर हमारे लिए जो शर्म और दर्द सहा वह हमारे लिए अयोग्य हो जाता है। प्रभु ने हमें जो अधिकार दिया है, हम उसे खो देते हैं और हम हमेशा के लिए अनंतकाल आनंद और शांति को भी खो देते हैं। जब हम पाप करते हैं और इस दुनिया में पाप जारी करते रहते हैं, तो क्रूस पर हमारे प्रभु का बलिदान निरर्थक हो जाता है। इस प्रकार, शिमशोन का जीवन हमारे जीवन में भय लाना चाहिए, जिस तरह से कुटिल शत्रु ने उसके पतन की योजना बनाई उसे देखकर

हमारे जीवन में भी भय आना चाहिए। शत्रु चाहता है की प्रभु के सामने हमारा पतन हो और इसका वह प्रयास करता रहता है।

इस दुनिया में, ऐसा कोई प्रभु नहीं है, जिसने अपने लोगों के लिए अपना जीवन दिया। लेकिन यह केवल हमारा यीशु मसीह है, जिसने अपने लोगों के लिए अपना जीवन दिया। हमारे प्रभु यीशु मसीह जैसा कोई दूसरा प्रभु नहीं है। इस संसार के देवता मनुष्य ही के बनाये हुए हैं। लेकिन हमारा प्रभु धर्मी और पवित्र प्रभु है। पवित्र शास्त्र में प्रकाशितवाक्य की शुरुआत से अंत तक, हमारे प्रभु को ''पवित्र, पवित्र, पवित्र'' के रूप में संबोधित किया गया है। मूसा इस पवित्र परमेश्वर के बारे में कहता है निर्गमन 15:11 ''हे यहोवा, देवताओं में तेरे तुल्य कौन है? तू तो पवित्रता के कारण महाप्रतापी, और अपनी स्तुति करने वालों के भय के योग्य, और आश्चर्यकर्म का कर्ता है।'' हमारा प्रभु एक पवित्र प्रभु है, जो हमारी प्रशंसा और सम्मान के योग्य है, चमत्कारों में पराक्रमी और भययोग्य परमेश्वर है। ऐसा कोई दूसरा प्रभु नहीं है। इस प्रकार नबी यशायाह कहता है यशायाह 12:6 ''हे सिय्योन में बसनेवाली, तू जयजयकार कर और ऊँचे स्वर से गा, क्योंकि इस्राएल का पवित्र तुझ में महान् है।'' एक दिन यशायाह ने परमेश्वर की पवित्रता को देखा और जब उसने अनुभव किया, तो उसने महसूस किया कि वह अशुद्ध और पापी है, इस प्रकार वह प्रभु से पुकार कर रोया और प्रभु ने उसे छुआ और शुद्ध किया। जिस दिन से जब प्रभु परमेश्वर ने उसे छुआ और उसे पवित्र किया, यशायाह ने कभी पाप नहीं किया, लेकिन इस पृथ्वी पर प्रभु की सेवा के लिए अपने जीवन का उपयोग किया। आइए हम पढ़ते हैं यशायाह 6 : 2–9 ''2 उससे ऊँचे पर सारा‍प दिखाई दिए; उनके छः छः पंख थे; दो पंखों से वे अपने मुँह को ढाँपे थे और दो से अपने पाँवों को, और दो से उड़ रहे थे। 3 वे एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थे : ''सेनाओं का यहोवा पवित्र, पवित्र, पवित्र है; सारी पृथ्वी उसके तेज से भरपूर है।'' 4 और पुकारनेवाले के शब्द से डेवढ़ियों की नींवें डोल उठीं, और भवन धूएँ से भर गया। 5 तब मैं ने कहा, "हाय! हाय! मैं नष्ट हुआ; क्योंकि मैं अशुद्ध होंठवाला मनुष्य हूँ; और अशुद्ध होंठवाले मनुष्यों के बीच में रहता हूँ, क्योंकि मैं ने सेनाओं के यहोवा महाराजाधिराज को अपनी आँखों से देखा है!'' 6 तब एक सारा‍प हाथ में अँगारा लिये हुए, जिसे उसने चिमटे से वेदी पर से उठा लिया था, मेरे पास उड़ कर आया। 7 उसने उससे मेरे मुँह को छूकर कहा, ''देख, इसने तेरे होंठों को छू लिया है, इसलिये तेरा अधर्म दूर हो गया और तेरे पाप क्षमा हो गए।'' 8 तब मैं ने प्रभु का यह वचन सुना, ''मैं किसको भेजूँ, और हमारी ओर से कौन जाएगा?'' तब मैं ने कहा, ''मैं यहाँ हूँ! मुझे भेज।'' 9 उसने कहा, ''जा, और इन लोगों से कह, 'सुनते ही रहो, परन्तु न समझो, देखते ही रहो, परन्तु न बूझो।'' इस प्रकार परमेश्वर ने यशायाह को उसकी महिमा के लिए एक महान नबी बना दिया।

विश्वास और पवित्रता के बिना हम भी प्रभु के लिए कुछ नहीं कर सकते। आइए हम पढ़ें लैव्यव्यवस्था 11: 45 ''क्योंकि मैं वह यहोवा हूँ जो तुम्हें मिस्र देश से इसलिये निकाल ले आया हूँ कि तुम्हारा परमेश्वर ठहरूँ; इसलिये तुम पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ।'' प्रभु जानता है कि हम अपने आप पवित्र नहीं बन सकते, इस प्रकार उन्होंने हमारे लिए अपना बहुमूल्य लहू दिया। 1 पतरस 1:15 ''पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो।'' इस प्रकार प्रभू परमेश्वर इस दुनिया में पैदा हुए, हमारे लिए जिए और हमारे लिए मरे, उन्होंने हमारे लिए अपना कीमती लहू दिया, हमें उनका प्यार और वचन दिया। आज भी, वह हमसे वही इच्छा रखते है, वह चाहते हैं की हम उनके सामने पवित्र और धर्मी बने।

जिस क्षण हम पाप करते हैं, हम अपने पिता और बच्चे होने का संबंध खो देते हैं। प्रभु परमेश्वर बार–बार कहते हैं ''पवित्र बनो जैसा मैं पवित्र हूँ''। जो लोग प्रभु के साथ इस तरह के विश्वास में मजबूत हैं, तो हमें कुछ भी रोक नहीं सकता। हम अपने जीवन में किसी भी फिरौन का सामना कर सकते हैं। यदि हम प्रभु के साथ विश्वास में बने रहे, तो यरदन नदी भी हमारे जीवन में उलट चलेगी और हमारी आवाज से यरीहो की दीवार भी ढह जाएगी। इस प्रकार नबी यशायाह ने कहा यशायाह 12: 6 ''हे सिय्योन में बसनेवाली, तू जयजयकार कर और ऊँचे स्वर से गा, क्योंकि इस्राएल का पवित्र तुझ में महान् है।'' जोर से आवाज के साथ प्रभु की स्तुति करो, यरीहो दीवार द्वारा लाया गया हर बाधा और रुकावट नीचे गिर जाएगी। हमारा प्रभु एक महान प्रभु है। जो लोग इस तरह से विश्वास करते हैं, वे प्रभु की स्तुति करेंगे, हमारे जीवन में सभी बाधाओं को तोड़ दिया जाएगा और सभी यरीहो दीवार उखड़ जाएगी। लाल समुद्र हमारे दुश्मनों को निगल जाएगी और यरदन नदी अपने धारा को फिर से बहा देगी। इस प्रकार नबी यशायाह कहते हैं, जो सिय्योन में रहते हैं, वे प्रभु की स्तुति करते हैं और उसकी महिमा करते हैं। हमारे प्रभु हमेशा हमारे बीच में रहते हैं। जितना हम परमेश्वर की स्तुति करेंगे, उतना ही वह हमें आशीर्वाद और समृद्ध करेंगे। जेल में पौलुस और सिलास ने क्या किया? उन्होंने प्रभु की स्तुति की, उन्होंने उनके प्रति पाप या कुड़कुड़ाना नहीं किया, उन्होंने प्रभु को पीड़ा नहीं दी, बल्कि उन्होंने प्रभु की जय जयकार के साथ स्तुति की। परमेश्वर ने उनकी प्रशंसा सुनी, उनकी जंजीरों को तोड़ा और उन्हें छुड़ाया। बन्दीगृह का अध्यक्ष (जेलर) भी रूपांतरित हो गया। इसलिए जब प्रभु हमारे साथ होंगे, तो जीत हमेशा हमारी होगी। पवित्र शास्त्र में ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अपने ऊपर प्रभु की कृपा खो दी है। जैसे की राजा शाऊल ने अपना सारा अधिकार खो दिया और आखिरकार वह जीवन में बहुत निचा हो गया। हमारा प्रभु हमसे निरंतर बात करते रहते है और हमें प्रोत्साहित करते रहते है और कहते है कि प्रभु जो आपको मिस्र से बाहर लाया है वह एक पवित्र प्रभु है, आप भी पवित्र रहें।

हमारे परमेश्वर ने अपने लोगों को विभिन्न स्थानों से लेकर आएं है और उन्हें एक स्थान पर लगाया है। हमारा परमेश्वर हमारे बीच में है और कहते हैं लैव्यव्यवस्था 20: 26 ''तुम मेरे लिये पवित्र बने रहना; क्योंकि मैं यहोवा स्वयं पवित्र हूँ, और मैं ने तुम को और देशों के लोगों से इसलिये अलग किया है कि तुम निरन्तर मेरे ही बने रहो।'' प्रभु ने हमें अन्य क्षेत्रों से निकाल दिया है और हमें अपने क्षेत्र में लगाया है। हमारा प्रभु एक पवित्र प्रभु है, इस प्रकार हमें भी अपने जीवन में उनका आशीर्वाद और अधिकार प्राप्त करने के लिए पवित्र होना चाहिए। हमारे परमेश्वर ने उनके वचन को हमारे हाथ में दिया है, अगर यह वादा हमारे जीवन में पूरा नहीं होता है, तो हमें यह सवाल पूछना चाहिए, क्यों? परमेश्वर ने हमें अपने अनमोल लहू से धोया है और हमें इस योग्य बनाया है कि हम ऊंचे पर्वत पर खड़े हो सकें। नबी यशायाह कहता हैं, ''ये वे बच्चे हैं जिन्हें प्रभु ने मुझे दिया है''। इस प्रकार, यह आवश्यक है कि हम उसके बच्चे बनें, उन्होंने उनके बच्चे होने का अधिकार दिया है। वह एक सच्चा प्रभु है। हमें सावधान रहना चाहिए कि हम पाप में न पड़ें, जब हम पाप से दूर रहेंगे तो परमेश्वर हमारे जीवन में उनकी इच्छाओं को पूरा करेंगे। योएल 2: 12 कहता है ''तौभी,'' यहोवा की यह वाणी है, "अभी भी सुनो, उपवास के साथ रोते–पीटते अपने पूरे मन से फिरकर मेरे पास आओ।'' यह महत्वपूर्ण है कि हम इस धरती में प्रभु के लिए गवाह हैं। यशायाह 51: 3 ''यहोवा ने सिय्योन को शान्ति दी है, उसने उसके सब खण्डहरों को शान्ति दी है; वह उसके जंगल को अदन के समान और उसके निर्जल देश को यहोवा की वाटिका के समान बनाएगा; उसमें हर्ष और आनन्द और धन्यवाद और भजन गाने का शब्द सुनाई पड़ेगा।'' जब हमारे घरों और जीवन में कोई शांति नहीं है, अगर कोई नौकरी नहीं है, कोई घर

नहीं है, तो हमारे जीवन में कुछ बीमारी है, प्रभु परमेश्वर कहते हैं कि वह हमें छुड़ाएंगे और हमें शांति देंगे। ये प्रभु के लिए बहुत छोटी चीजें हैं। हमें याद रखना चाहिए कि इस दुनिया में सब कुछ प्रभु का है और उन्होंने अपने लोगों के लिए बनाया है। प्रभु के लिए कुछ भी मुश्किल नहीं है। इसलिए, यीशु ने कहा 'संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है। जी हाँ, परमेश्वर ने अपने लोगों को शांति देने के लिए इस दुनिया पर विजय प्राप्त की है। प्रभु अंधकार, दुःख और आँसुओं के स्थानों को बदल सकते हैं और इसे आशीर्वाद और समृद्ध कर सकते हैं। प्रभु ने हमें अंधकार से अलग कर दिया है, हमें उनके प्रकाश में लेकर आएं है, हमें उनके लोग बनाया है, और हमें इस दुनिया में उनका अधिकार दिया है। इस प्रकार, परमेश्वर ने हमें यह बताना जारी रखा है कि ''पवित्र रहो क्योंकि मैं पवित्र हूँ।''

इस वचन से हम सभी का भला हो। प्रभु की स्तुति हो !

पास्टर सरोजा म।